मुख्य जनसंपर्क अधिकारी का कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया के समाज कार्य विभाग का जर्मनी की यूनिवर्सिटी ऑफ एप्लाइड साइंसेज के साथ अकेडमिक एक्सचेंज प्रोग्राम संपन्न; प्रतिनिधिमंडल एरफर्ट की सफल शैक्षणिक यात्रा के बाद वापस लौटा

नई दिल्ली, 01 जुलाई, 2025

जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जेएमआई) के समाज कार्य विभाग के एक प्रतिनिधिमंडल ने 15 जून से 26 जून, 2025 तक जर्मनी के एरफर्ट में यूनिवर्सिटी ऑफ एप्लाइड साइंसेज (Fachhochschule) में आयोजित अपने शैक्षणिक आदान-प्रदान कार्यक्रम के एक भाग के रूप में जर्मनी के एरफर्ट की अपनी शैक्षणिक यात्रा सफलतापूर्वक पूरी की। यह गहन कार्यक्रम दोनों विश्वविद्यालयों के बीच लंबे समय से चले आ रहे समझौता ज्ञापन (एमओयू) के तहत आयोजित किया गया था।

बी.ए. (ऑनर्स) सोशल वर्क और एम.ए. सोशल वर्क प्रोग्राम के बारह छात्रों के एक प्रतिनिधिमंडल ने दो संकाय सदस्यों- डॉ. हबीबुल रहमान वीएम और डॉ. आसिया नसरीन के साथ जेएमआई के सोशल वर्क विभाग का प्रतिनिधित्व किया। यूनिवर्सिटी ऑफ एप्लाइड सोशल साइंसेज, एरफर्ट के सोशल वर्क विभाग द्वारा आयोजित इस यात्रा का विषय बदलते समाज में हाशिए पर रहना, बहिष्कार और सामाजिक कार्य था।

इस आदान-प्रदान में, अन्य बातों के अलावा, प्रतिष्ठित 11वें एरफ़र्ट अंतर्राष्ट्रीय समाज कार्य दिवस सम्मेलन (ISWD) में भागीदारी शामिल थी, जिसका विषय था "स्ट्रेंथिनिंग इंटर जेनेरेशनल सॉलिडेरिटी फॉर एन्ड्युरिंग वेलबिंग" छात्र और संकाय सक्रिय रूप से शैक्षणिक पैनल, विषयगत कार्यशालाओं और गैर सरकारी संगठनों, सामाजिक संस्थानों और बर्लिन की दीवार और बुचेनवाल्ड कंसेन्ट्रेशन कैंप जैसे ऐतिहासिक स्थलों पर अनुभवात्मक शिक्षण यात्राओं में शामिल हुए।

भारतीय छात्रों ने कई पूर्व-सम्मेलन पैनलों में अपने अकादमिक शोध और क्षेत्र के अनुभव प्रस्तुत किए, जिससे विकलांगता अधिकार, आश्रय गृह की गतिशीलता, स्वदेशी सामाजिक कार्य प्रथाओं और रेसिलेंस के नेरेटिव्स सहित विविध विषयों पर एक महत्वपूर्ण अंतर-सांस्कृतिक संवाद को बढ़ावा मिला। उल्लेखनीय रूप से, डॉ. हबीबुल रहमान वीएम ने "प्रोबेशन एंड बियॉन्ड: रिफॉर्मेटिव पाथवेज फॉर इंटरजेनेरेशनल ऑफेंडर्स इन डेवलपिंग नेशंस" शीर्षक से एक कार्यशाला आयोजित की। डॉ. आसिया नसरीन ने "योग: सक्रिय उम्र बढ़ने के लिए प्राचीन भारतीय अभ्यास" पर एक शानदार कार्यशाला का नेतृत्व किया।

प्रतिभागियों ने “भागीदारी और समाज कार्य”, “प्रवास और शिक्षाशास्त्र” और “बाल संरक्षण और सीआरसी” सहित सहयोगी संगोष्ठियों में भी भाग लिया, जिससे तुलनात्मक कल्याण प्रणालियों के बारे में उनकी समझ बढ़ी। सांस्कृतिक कार्यक्रमों, सामुदायिक उद्यानों के दौरे और साथियों के साथ बातचीत के माध्यम से अनौपचारिक आदान-प्रदान ने अकादमिक जुड़ाव को और सुदृढ किया।

कार्यक्रम का समापन एक संयुक्त समीक्षा सत्र के साथ हुआ, जो द्विपक्षीय सहयोग और अकादमिक कूटनीति की भावना में एक सार्थक मील का पत्थर साबित हुआ। यह आदान-प्रदान जामिया मिल्लिया इस्लामिया और यूनिवर्सिटी ऑफ एप्लाइड साइंसेज, एरफर्ट के आपसी दृष्टिकोण को दर्शाता है, जो समानता, न्याय और सांस्कृतिक संवेदनशीलता के प्रति प्रतिबद्धता के साथ वैश्विक रूप से सक्षम समाज कार्य पेशेवरों को विकसित करता है।

विश्वविद्यालय प्रोफेसर क्रिस्टीन रेहक्लाऊ और एफएच एरफर्ट की पूरी टीम को उनके गर्मजोशी भरे आतिथ्य और अकादमिक नेतृत्व के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करता है।

प्रोफेसर साइमा सईद
मुख्य जनसंपर्क अधिकारी